ब्रेन टयूमर संबंधी महत्वपुर्ण जानकारी

ब्रेन टयूमर (भेजे मे जमा द्रव्य) का अर्थ-

ब्रेन टयूमर यानी भेजे की पेशींयोंका अनियमित एवं अनियंत्रित गतीशिल वृध्दी होना। यह वृध्दी कर्करोग के कारण हो सकती है, या कर्करोग ना होने पर भी हो सकती है।

- कर्करोग ना होनेवाला टयूमर कम क्षमता का होता है । स्तर I अथवा II अर्थात इसकी वृध्दी धीमी गती से होती है एवं उपचार के पश्चात फिरसे होने की संभावना कम रहती है।
- कर्करोग होनेवाला टयुमर यह उपरी स्तर का स्तर III अथवा IV होता है। तथापि भेजे मे प्राथमिक टयूमर या अन्य हिस्सो से भेजे मे फैलता है। द्वितीय दर्जे का टयूमर यह इलाज के बाद भी फैल सकते है।

ब्रेन टयूमर के लक्षण-

- सिरदर्द
- जी मचलाना
- उल्टीयाँ
- दृष्टीदोष
- बात करते समय समस्या
- सुनने मे समस्या
- हाथ पैरो मे दर्द
- असहज
- वजन संभालने की समस्या
- अकडना

ब्रेन टयूमर होने के मुख्य कारण-

- छोटे बच्चे एवं वृध्दो मे अधिक प्रमाण
- रासायनिक द्रव्य, जंतुनाशक तेल उत्पाद, रबर,एवं व्हिनाईल क्लोराईड के सतत संपर्क मे रहने से
- संसंर्गजन्य रोग प्राथमिक स्तर की परिस्थिती, विषाणु एवं एलर्जी संपर्क
- उर्जा, चुंबक क्षेत्र मे भ्रमण
- अनुवंशिकता
- किरणोके अंशो से उद्भंव
- सिर मे दर्द एवं अकडन

ब्रेन टयूमर का ईलाज-

- भेजे की जाँच- कार्य की जाँच होती है, इसे न्युरो सायन्य, न्युरोचेक्स या न्युरो स्टेटस् विद्यार्थी उजाले मे एवं स्मरण मे कैसा प्रतिसाद देते है एवं कितना सहज ऊठ सकते है यह जाँच होती है.
- सिटी स्कॅन अथवा एमआरआय (MRI) से टयुमर आकार एवं स्थान का पता चलता है.
- पेटसक्ेन (PET) इस जाँच मे ट्रेसर के माध्यम से भेजे मे कहाँ जख्म या टयुमर है पता चलता है.
- इलेक्ट्रोसेफॅलोग्राफी (EEG)

ब्रेन टयूमर का उपचार कैसे करें?

- ✓ शस्त्रक्रिया (सर्जरी)-

  इस सर्जरी मे टयुमर एवं सलग्न की पेशींयों को निकाल बाहर किया जाता है . सबसे पहली ईलाज पध्दती कम स्तर के टयुमर हेतु स्विकृत पध्दती है.
- ✓ केमोथेरपी-

  इस पध्दती मे कर्करोग की पेशियोंको नष्ट कर, वृध्दी को रोका जाता है, एवं विभाजित किया जाता है सर्जरी के पश्चात बचे कैंसर को समाप्त करना उददेश होता है, वैसे ही टयुमर की रोकधाम एवं लक्षण कम करना है.
- ✓ रिडीएशन पध्दती-

  रिडीएशन पध्दती मे उच्च तापमान की क्ष किरणे अथवा अन्य पदार्थो के सहयोग से पेशिंयोंका नाश किया जाता है टयुमर वृध्दी को स्थगित करने के लिए चिकित्सक रिडीएशन पध्दती का उपयोग करते है. यह सर्जरी के पश्चात अथवा केमोथेरपी के पश्चात की जाती है.
- ✓ टार्गेटेड थेरपी-

  इस थेरपी मे टयुमर के विशिष्ट जिन्स एवं प्रोटीन्स को निकाल दिया जाता है, इस पध्दती मे टयुमर की वृध्दी रोकी जाती है पेशी न फैले इसका खयाल रखा जाता है, जिससे सशक्त पेशीयोंको कम नुकसान होता है.
- ✓ स्टेरॉइडस् दवाएँ- सिर एवं शरीर की सूजन कम करती है.
- ✓ ॲन्टी कन्व्हलजंट दवाएँ-अकडन कम करती है.
- ✓ रक्त पतला करने वाली दवाएँ-

  रक्त की गुठली नही बनने देती. रकत पतला करनेवाली दवाओंके कारण रक्तस्त्राव अथवा पतली रक्तवाहिनीयाँ फुटनेसे त्वचा के नीचे रक्तस्त्राव हो सकता है.
- ✓ अल्टरनेटींग इलेक्ट्रीक फिल्ड थेरपी-(टयुमर ट्रीटींग फिल्डस)-

  बार बार होनेवाले भेजे के कैन्सरग्रस्त पेशींपर ईलाज करने हेतु उपयोग मे लाए जानेवाले यह बाहय उपकरण है. इनके सहयोग से टयूमर मे वृध्दी एवं प्रसार करनेवाली पेशी के हिस्से मे प्रतिरोध होता है.

संदर्भ

- www.nhs.uk
- www.cancer.net
- Micromedex care note